For All Govt Exams







www.ummeedclasses.com







2

वर्तमान काल ३-

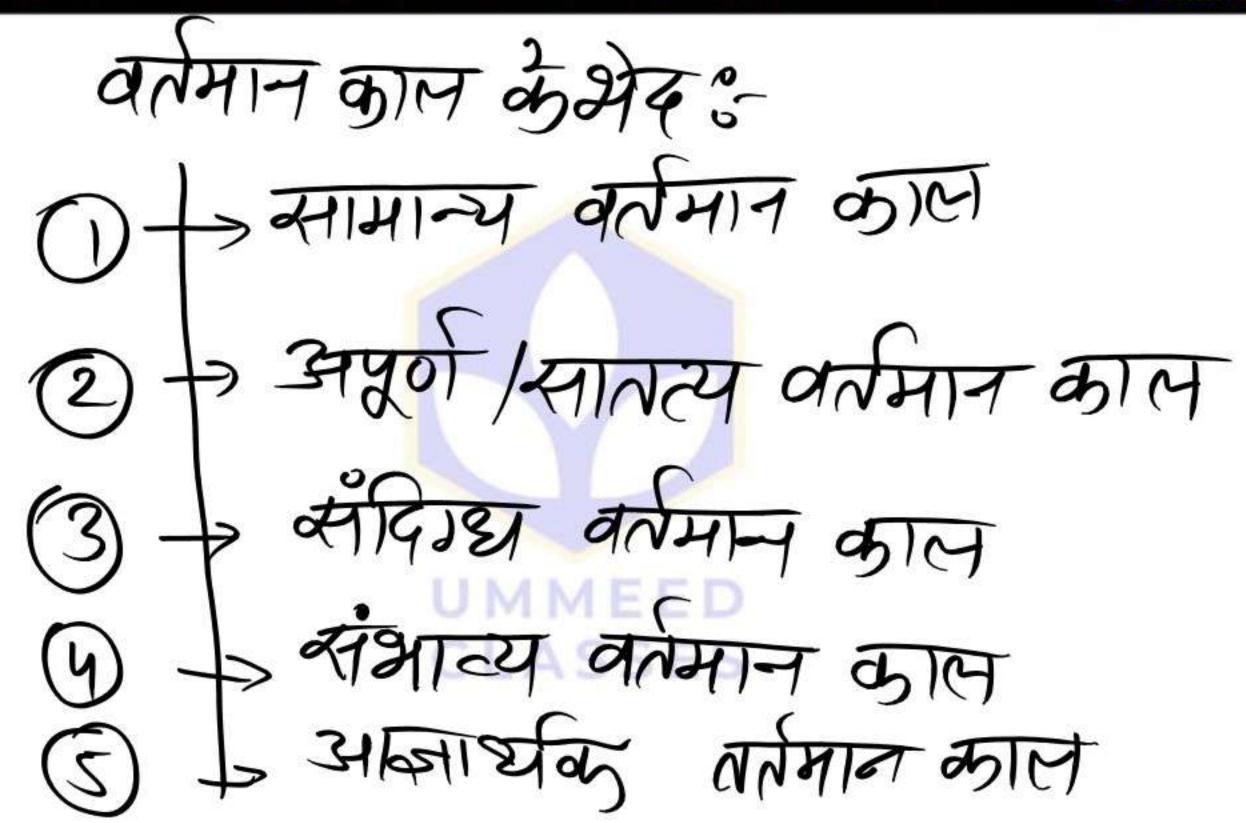
ओ किया प्रत्यह्म रूप से हो उसे वर्तमान काल कहते हैं)

अर्थात् वर्तमान में किसी ठार्थ के टोने का बोध हो, वर्तमान काल कहलाता क्ष)

उदा अप वाजार जा नहीं है।











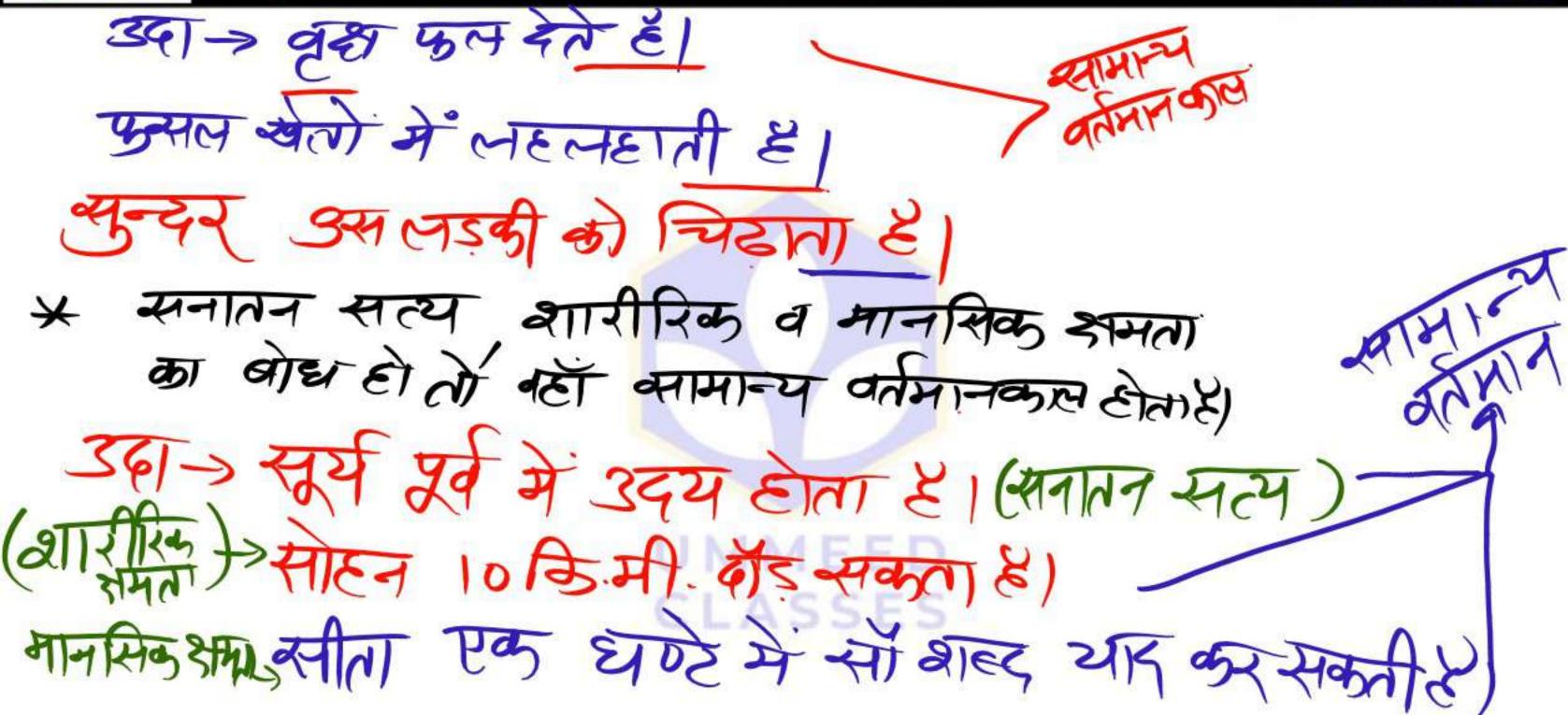
(1) सामान्य वर्तमान काल द्वार्ग की किना प्रवेश हो)

नामान्य स्थिति में होने का बोध्य हो सामान्य वर्तमान क्रिस कहलाता है।

उदा-> तुम खाना बनाती हो। सोहन रोज अपना कार्य समय पर कर्गा है।













(1) अपूर्ण /सातत्य वर्तमान काष्ट्र - किसी कार्य जारी रहने का बाह्य हो, अपूर्ण वर्तमान काल कहला। वहा विसे सिंह महा हो।

361-) पेड पर पश्मी च्या रहे है। मही वट यही है।

वच्चे छाडियों में अपने नानिहास रह सेह दे।







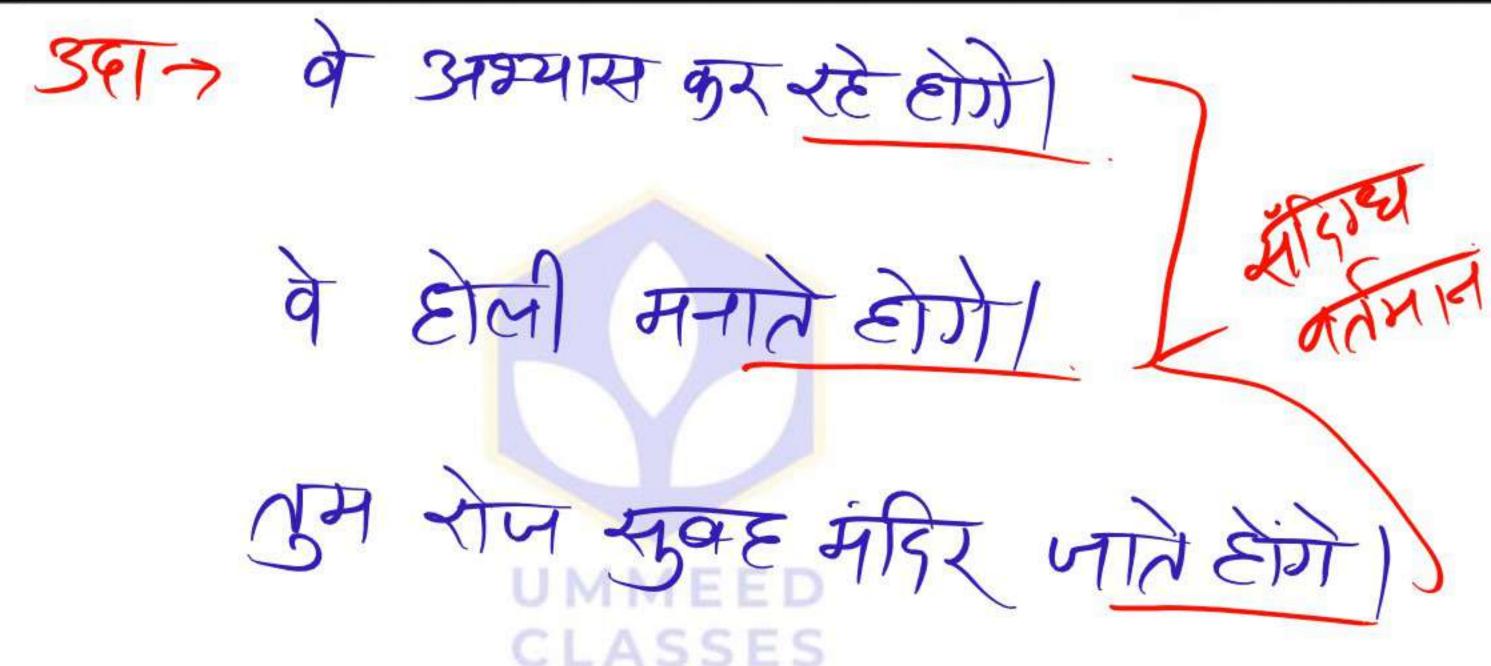
सारिक्षे में होगी

अहाँ किसी कार्य की सीदाधारा का कोधा हो, उसे न्सीदाधा कार्मानकाल कहते हैं।

उदा:- मेरी माताजी स्वादिष्ट भोजन पका रही होगी।
आप परीक्षा की तंत्रारी करते होंगे।











1V) ब्रैभाट्य प्रतिमान काल : जिस वाक्य किसी कार्य (भायद)+गातिभी+हो के होने की संभावना का वाध्य हो ब्यंभाव्य व्यक्तिम

रहा/रही/रहे+हो नाम कहलाता है।

39) शायद वह स्कूपाज रही हो। अपद कही वारिशा हो।



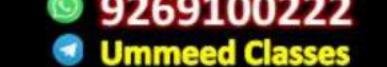


ण) आकार्यक वर्तमामकाल : किसी कार्य हेतु अज्ञा के होने का कोश्न हो।

उदा :- बच्चों को षडाया जाए। वैश्वा का विकास किया जाए। अम बाहर जाकर खेलो।

विश्वायः - यदि आक्रार्थिक क्रिया हो और विकल्प में अफ्रार्थिक क्रियान कास नहीं दिया हुआ हो तो सामान्य वर्तमान कास होगा।

















उदान वात में गारे टिमरिमाते है। अगिरिक राम्या (सामान्य वर्तर) केवल श्रयाम ही इस प्रश्न की हल कर सकता है।







Thanks for Watching!



LIKE, COMMENT AND SHARE



HINDI + ENGLISH

BATCH

ADMISSION OPEN सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए







© 9269100222

